हिन्दी

समास

Hindi WITH Navneet Sir

पानी में गिरने से किसी की मृत्यु नहीं होती,
मृत्यु तभी होती है जब तैरना नहीं आता,
परिस्थितियां कभी समस्या नहीं बनती,
समस्या तभी बनती है जब
उनसे निपटना नहीं आता.

थोड़ा डुबूंगा, मगर मैं फिर तैर आऊंगा,
ऐ ज़िंदगी, तू देख,
मैं फिर जीत जाऊंगा

समास की परिभाषा

अलग अर्थ रखने वाले दो शब्दों या पदों (पूर्वपद तथा उत्तरपद) के मेल से बना तीसरा नया शब्द या पद समास या समस्त पद कहलाता है तथा वह प्रक्रिया जिसके द्वारा 'समस्त पद' बनता है, समास-प्रक्रिया कही जाती है।

•समास-प्रक्रिया में जिन दो शब्दों का मेल होता है, उनके अर्थ परस्पर भिन्न होते हैं तथा इन दोनों के योग से जो एक नया शब्द बनाते हैं; उसका अर्थ इन दोनों से अलग होता है।

•जैसा ऊपर बताया गया है, समास-रचना दो शब्दों या दो पदों के बीच होती है तथा इसमें पहला पद 'पूर्वपद तथा दूसरा पद उत्तर पद कहलाता है। 'पूर्वपद' तथा 'उत्तरपद' के संयोग से जो नया शब्द बनता है,उसे समस्तपद कहते हैं।

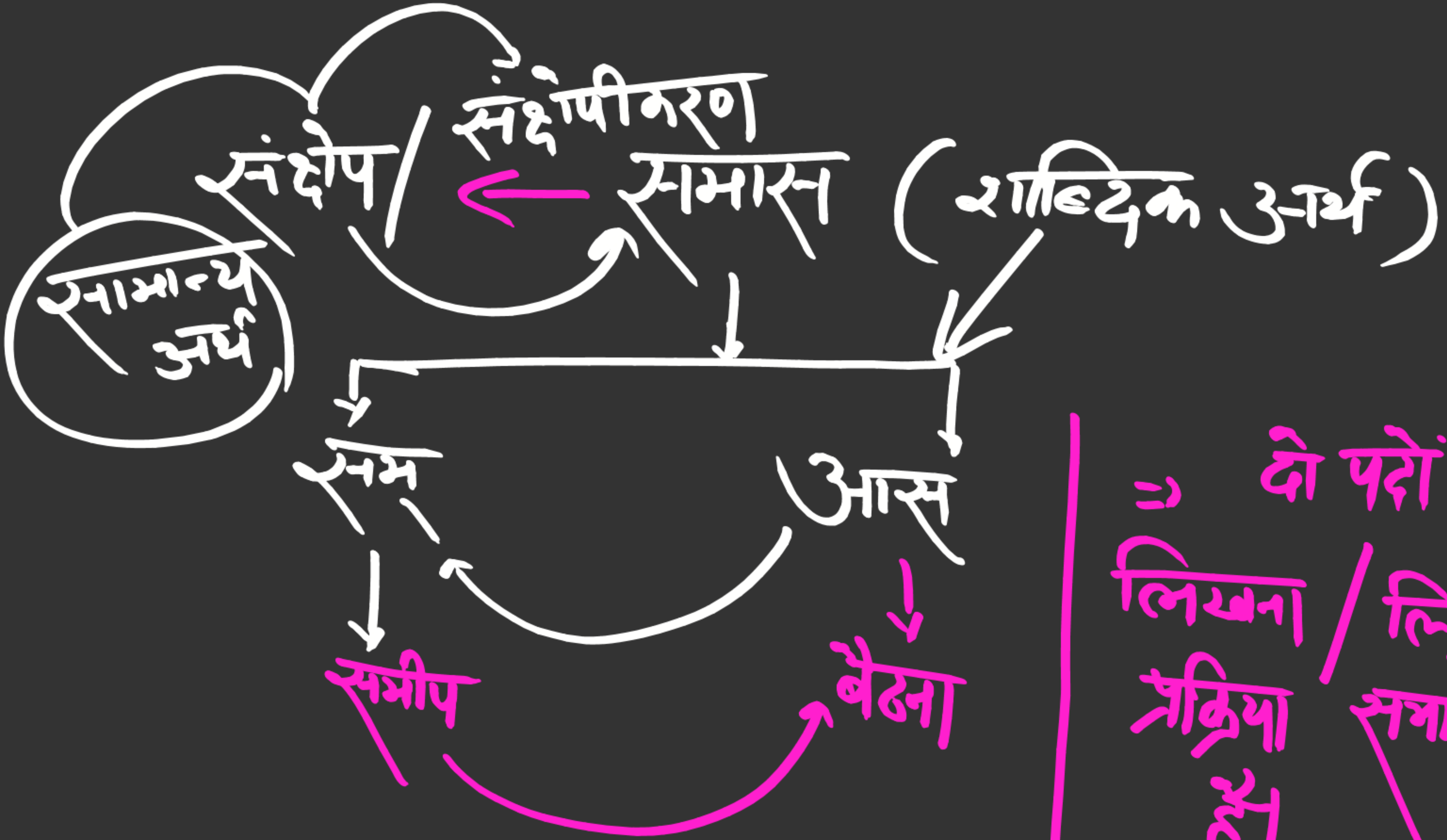

=> दो पदों पास में लिखना/लिखने की प्रक्रिया समास कहलाती है

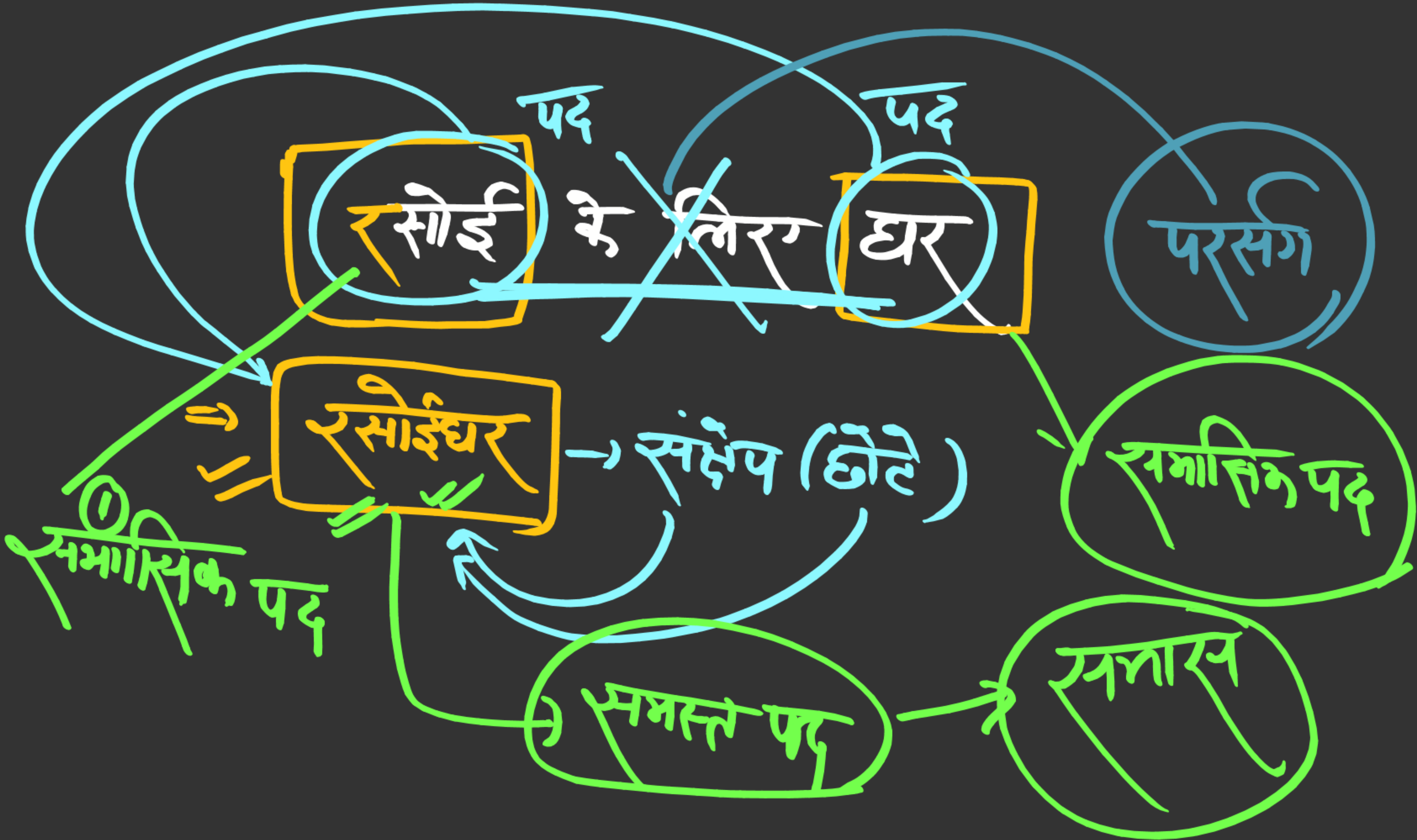

पद
पद
रसोई के लिए घर
परसर्ग
रसोईघर
संक्षेप (छोटे)
समासिक पद
① समासिक पद
समस्त पद
समास

समास की परिभाषा

→ जब दो सामासिक पदों के मध्य परसर्ग को हटा कर दो पदों को पास में लिख दिया जाता है। उसे समास कहते हैं। लिखने की प्रक्रिया को समास कहतें हैं

समास का विलोम — व्यास

सम् + आस
↓
समीप + बैठना

वि + आस = व्यास
विपरीत + बैठना
दूर बैठना

वि + आस
व् + इ + अ + स
व्यास

समास की परिभाषा

समास का अर्थ होता है संक्षिप्त, जब दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर एक नवीन एवं सार्थक शब्द का निर्माण होता है तब यह समास कहलाता है। वह शब्द जो समास के नियमो से निर्मित होते है, सामासिक शब्द कहलाते है | यह समस्तपद भी कहलाता है | शब्द के समास होने की बाद विभक्तियों के चिह्न (परसर्ग) लुप्त हो जाते हैं। उदहारण – राजपुत्र

1. समास में दो पदों का योग होता है।
2. दो पद मिलकर एक पद का रूप धारण कर लेते हैं।
3. दो पदों के बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है।
4. दो पदों में कभी पहला पद प्रधान और कभी दूसरा पद प्रधान होता है। कभी दोनों पद प्रधान होते हैं।

⇒ हिन्दी/हिंदी में समास

कितने हैं।

1. अव्ययीभाव
2. तत्पुरुष
3. कर्मधारय
4. द्वन्द्व समास
5. द्विगु
6. बहुव्रीहि

पदों की प्रधानता के आधार पर हिन्दी में समास | 4

	1 (M)	2 (P)
1	A ✓	B ✗
2	A ✗	B ✓
3	A ✓	B ✓
4	A ✗	B ✗

बहु

समास के प्रकार अथवा भेद: समास के अंतर्गत **6 प्रकार** के समास होते हैं-

1. अव्ययी भाव समास
2. तत्पुरूष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वंद्व समास
6. बहुब्रीहि समास

अव्ययीभाव समास (Extravagance)

प्रथम या **पूर्व पद** की **प्रधानता** होती है।

– पहला पद **अव्यय** होता है।

– दूसरा या **अंतिम** पद **संज्ञा** होता है।

– **समस्त पद क्रिया विशेषण** के रूप में प्रयुक्त होता है।

– **पहला** पद प्रायः **छोटा** होता है।

– शब्द में **उपसर्ग** का लगा होना (किसी भी शब्द में **उपसर्ग पहले** लगता है मतलब आगे,और **प्रत्यय बाद में** अर्थात् अंत में लगता है)।

– किसी **एक शब्द की पुनरावृत्ति** अर्थात् एक ही शब्द का दो बार प्रयोग होने से भी अव्ययी भाव समास बनता है.

एक ही प्रकार के शब्द को दो बार लिखा जाता है वे शब्द समान होते हैं.

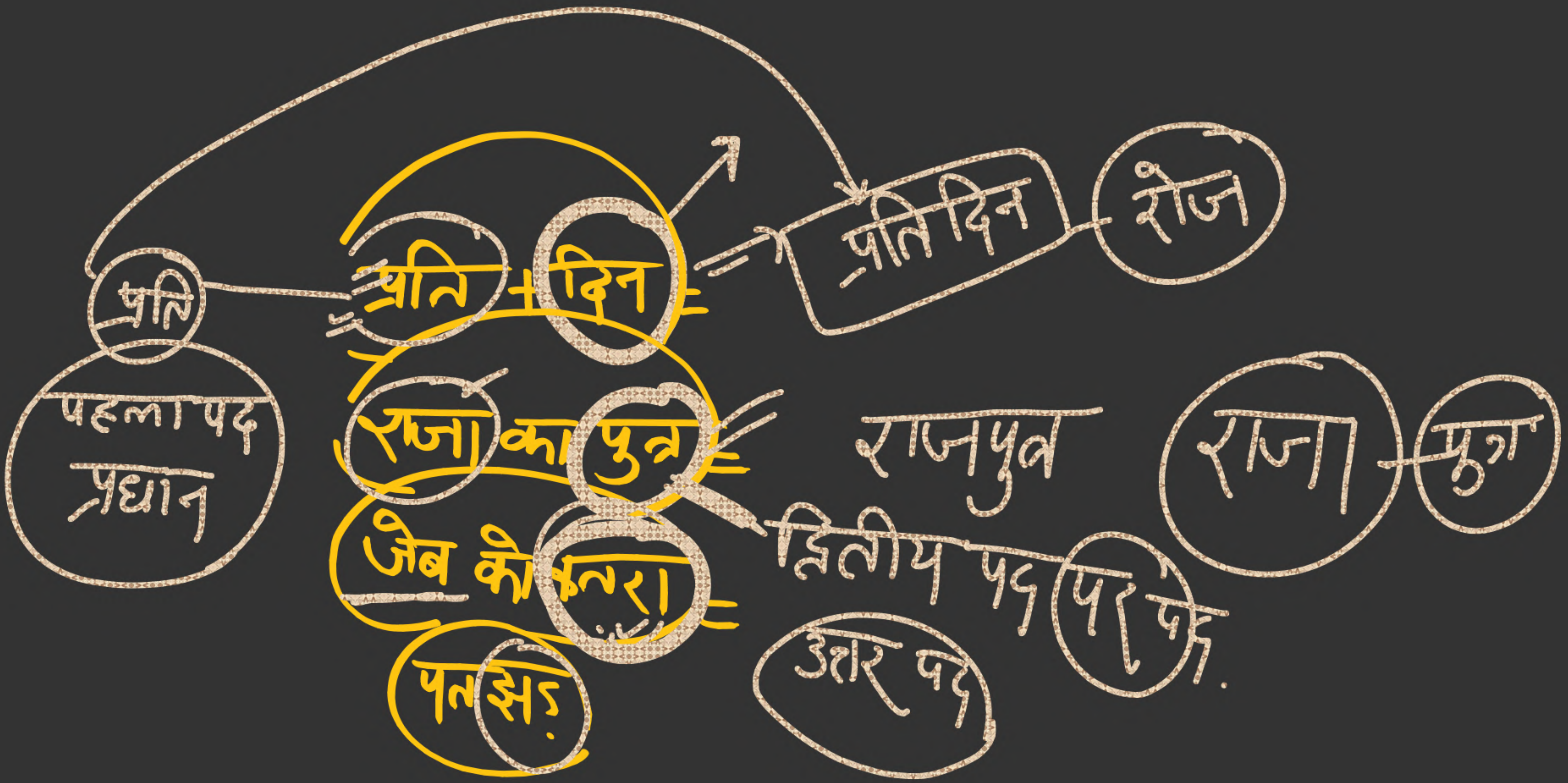

प्रति
पहला पद प्रधान
प्रति + दिन
प्रतिदिन
रोज
राजा का पुत्र
राजपुत्र
राजा
पुत्र
जेब को कतरा
पतझड़
द्वितीय पद पर
उत्तर पद

=> पत्ता + झड़ना

पतझड़

मौसम

अव्ययी भाव समास

① नियम-①

② नियम-②

③ नियम-③

⇒

प्रथम पद / पूर्व पद	उत्तर पद / पर पद / द्वितीय पद

(1) पहला पद (अव्यय हो) और उपसर्ग के रूप में प्रयोग होता है और द्वितीय पद संज्ञा हो और प्रथम पद प्रधान हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

⇒ जहाँ पर संज्ञा का दोहराव हो
वहाँ पर अव्ययी भाव समास होगा।

⇒ अव्यय जो व्यय न हो

जो लिंग, वचन, काल, कारक

प्रभावित